दिनांक :

सहमति पत्र (Consent for PCNL)

- मरीज का नाम ..... पुत्र ..... उम्र.....

  पता .....

  अन्य बिमारी .....

- मैं यह पथरी का ऑपरेशन पी.सी.एन.एल. (दूरबीन द्वारा पथरी का ऑपरेशन) डॉ. ..... व उनके सहयोगी के पूर्ण देखरेख में करवाने के लिए राजी हूँ।

- मुझे इस बीमारी एवं इसकी शल्य क्रिया के हर बिंदु (बीमारी की गंभीरता, शल्य क्रिया की जरूरत, इस पर आने वाला व्यय, इस क्रिया से होने वाले फायदे नुकसान, इस में निहीत खतरों व विकारों (Complications), इस से पड़ने वाले प्रभाव आदि) की विस्तृत जानकारी अपनी भाषा में समझा दी गई है।

- पी सी एन एल एक दूरबीन द्वारा की जाने वाली शल्य क्रिया है, जिसमें गुर्दे या गुर्दे की नली के उपरी भाग में होने वाली पथरी को छोटे–छोटे टुकड़ों में तोड़कर बाहर निकाला जाता है। इस में कमर के रस्ते से करीबन एक सेन्टीमीटर के छोटे चीरे द्वारा दूरबीन गुर्दे में प्रवेश कर पत्थरी को लीथोट्रप्टर या लेज़र द्वारा तोड़ा जाता है।

- इस शल्यक्रिया में संभावित विकार (Complications) इस प्रकार है

  1. पथरी के जगह से सरकने या छूटने पर दोबारा ऑपरेशन की आवष्यकता (1-15%)
  2. अधिक रक्तश्राव या पेशाब के रास्ते खून आना (1-10%)
  3. फेफड़ो में चोट से सांस की तकलीफ (4-12%)
  4. गुर्दे तक पहुँच न पाने की अवस्था (<5%)
  5. पेशाब के संक्रमण से बुखार (<2.5%)
  6. आंतों में चोट (<1%)
  7. पैरों की नसों में खून जमना (<1%)

8. ऐ वी फिस्टुला (A.V.Fistula) या स्यूटोएन्यूरिजम (Pseudoaneurysm) जिसे एन्जियोएम्बोलाइजेशन (Angioambolisation) की जरूरत हो (<0.5%)

9. ऑपरेशन की बाद दोबारा पथरी होने पर फिर ऑपरेशन की आवष्यकता

10.गुर्दे में सूजन

11.गुर्दे की चोट, काम न करना या निकालने जाने की आवष्यकता

12.गुर्दे की नसों में खून जमना

13.अधिक रक्तस्राव या गुर्दे में पथरी चिपकी होने पर ऑपरेशन चीरा शल्य क्रिया पद्धति में बदलना

- मुझे समझा दिया गया है कि कुछ असाधारण (Complication) विकार भी हो सकती है।
- कभी कभी चीरा लगा कर शल्य क्रिया और गुर्दा निकालने की भी जरूरत पड़ सकती है।
- मुझे अन्य विकल्प उपचार जैसे ESWL, RIRS, Open Surgery आदि के बारे में बता दिया गया है। उपचार ना होने की स्थिति में होने वाली परेशानियों (गुर्दा खराब होना, संक्रमण, पीड़ा, कैंसर) के बारे में भी जानकारी दी गई है।
- ऑपरेशन के दौरान कुछ अन्य विकारों का पाया जाना भी संभावित है जैसे गुर्दे के रास्ते में रुकावट, जिसके लिए उचित उपचार की सहमति में सर्जन को देता है।
- ऑपरेशन एवं एनसथीसीया के दौरान कुछ ऐसी (Complications) विकार भी हो सकती हैं जो जानलेवा हों।
- मुझे समझा दिया गया है कि ऑपरेशन बेहोश अथवा संवेदनहीन करके किया जाएगा। कभी कभी उपचार में बदलाव किया जा सकता है और मैं डॉक्टर व बेहोशी के डॉक्टर को इसकी सहमति देता हूँ। मुझे समझा दिया गया है कि सोनोग्राफी, एक्स रे व खून की जांचे एक दूसरे के अनुरूप ना हों, ऐसा हो सकता है।
- ऑपरेशन में रक्त देने को भी जरूरत पड़ सकती है एवं इससे होने वाले खतरों के बारें में भी बता दिया गया है।
- उपचार व ऑपरेशन की पूर्णतया : सफल होने की गारंटी नहीं दी जा सकती, पर जितना हो सका अच्छे से अच्छा करने की कोशिश होने के बारे में सुनिष्चित किया गया है।

- मैं डॉक्टरों के सुझावों अनुसार पूर्ण रुप से उनके उपचार में सहायक होऊँगा जैसे गुर्दे के तार व गुर्दे की नली का ध्यान रखना। मुझे ऑपरेशन उपरांत किसी भी प्रकार का अत्यधिक श्रम व भारी सामान उठाने को मना किया गया है, एवं वापस आकर दिखाने को कहा गया है।
- शरीर के तार (DJ Stent) डाले जाने की स्थिति में उसे वापस आकर निकाला जाना आवष्यक है।
- जीवन रक्षा के लिए जो भी उपचार जरुरी है उसे करने की सहमति देता हूँ।
- मुझे यह भी समझा दिया गया है कि मेरी भलाई के लिए ऑपरेशन एक बार से ज्यादा भी करना पड़ सकता है।
- मुझे अपनी भाषा में बिना किसी जोर जबरदस्ती मेरी बीमारी (गुर्दे की पथरी) और उसके उपचार पी.सी.एन.एल. दूरबीन द्वारा गुर्दे की पथरी निकालना, की विस्तृत जानकारी दे दी गई है।
- हम दवा, बेहोशी और ऑपरेशन की सभी लाभ हानि जानते और समझते हुए ऑपरेशन की सहमति और अनुमति देते है।

मरीज	गवाह
हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
नाम	नाम .....
उम्र	उम्र .....
पता	पता .....
दिनांक	फोन .....
मोबाइल नं.	दिनांक .....

सहमति का स्थाईकरण (By Doctor)

मैं अपने सभी सहयोगियों की तरफ से यह पुष्टि करता हूँ कि मरीज के सभी सवालों का समाधान कर दिया गया है और मरीज के ऑपरेशन की सहमति एवं अनुमति देते है।

डॉक्टर

हस्ताक्षर

नाम .....

पता .....

फोन .....

दिनांक .....